**किराया भुगतान के लिए जमानती के विरुद्ध वाद**

**(Suit against surety for payment of rent)**

न्यायालय ............

वाद नंबर ............ सन् ............

अ० ब०स० ............. वादी

**बनाम**

स०द०फ० ............. प्रतिवादी

श्रीमान जी,

उपरोक्त नामांकित वादी निम्न प्रकार सविनय निवेदन करता है :

1. यह कि दिनांक ............ को वादी से म०नं० .............. वर्ष के वास्ते अंकन रु० ...... वार्षिक किराये पर (मासिक रूप से भुगतान करने की शर्त पर) जी०ई० द्वारा लिया गया था।
2. यह कि प्रतिवादी द्वारा जी०ई० को मकान किराये पर देने के प्रतिफल स्वरूप किराया समय पर भुगतान करने की गारन्टी ली गई थी और दिनांक ............ को अनुबन्ध विलेख लिखा गया था।
3. यह कि ............ माह का किराया अंकन रु० ............ अभी तक भुगतान नहीं किया गया है।
4. यह कि उपरोक्त अनुबन्ध विलेख के परिपेक्ष्य में वांछित नोटिस जमानती/प्रतिवादी को किराया भुगतान के सम्बन्ध में, जो कि उक्त प्रकार से वाजिब हो चुका है, दिनाँक ............ को तामील कराया गया था परन्तु जमानती द्वारा नोटिस का उत्तर देने तक की परवाह नहीं की गई।
5. यह कि दिनांक ............ को वादी द्वारा जी०ई० को भी वाजिब किराया भुगतान के सम्बन्ध में नोटिस दिया गया था परन्तु प्रतिवादी संख्या 2 द्वारा अपने पत्र दिनांक ............ द्वारा यह उत्तरवादी को दिया गया कि उसकी ओर कोई किराया वाजिब नहीं है।
6. यह कि प्रतिवादीगणों का किराया भुगतान का दायित्व सम्मलित और पृथक-पृथक दाना ङ्केप्रकार से है ।
7. यह कि दोनों प्रतिवादियों में से किसी ने भी देय किराये का भुगतान नहीं किया है ।
8. यह कि इस मान्य न्यायालय के कार्य क्षेत्र में वाद का हेतक (cause of action) प्रातवा नंबर 1 के विरुद्ध दिनांक ............को तब उत्पन्न हआ जब वादी को नोटिस प्राप्त किया ।

और अन्तिम रूप से जब उनके द्वारा वादी को किराया भगतान करने से एक पंजीकृत पत्र द्वारा दिना ............ को इन्कार कर दिया।

1. यह कि वाद का मूल्यांकन अंकन रु०...... है जो कि बकाया किराये की धनराशि प्रतिवादी नबर के विरुद्ध वाजिब है साथ ही 18% ब्याज वाद दायर करने की तिथि तक.. उसी के आधार पर न्याय शुल्क अदा की गई है।

**प्रार्थना:**

वादी निम्नांकित अनुतोषों की याचना करता है :

1. प्रतिवादी नंबर 1 और 2 के विरुद्ध सम्मलित रूप से तथा पृथक-पृथक रुप से अंकन रु० ...... की डिक्री पारित की जाये।
2. वादकालीन व भुगतान की तिथि तक की अवधि के लिए भी बकाया किराये पर... %. वार्षिक ब्याज की स्वीकृति की जाये।
3. वाद का व्यय दिलाया जावे।

**वादी............**

**द्वारा अधिवक्ता ..........**

**सत्यापन**

 मैं कि ............ वादी यह सत्यापित करता हूँ कि पैरा 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7 और 8 आंशिक के तथ्य मेरी निजी जानकारी के आधार पर सत्य हैं और पैरा 8 (आंशिक) और पैरा 9 का कथन वाट पत्र में कानूनी सलाह पर आधारित हैं जो मेरे विश्वास में सत्य है ।

सत्यापित—दिनांक ............ स्थान ............ (वादी)